आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–27 मई 2025 सान्ध्य समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हाल के घटनाक्रमों ने साबित किया है कि पाकिस्तान का भारत के विरूद्ध तथाकथित छद्म युद्ध वास्तव में एक सुनियोजित युद्ध रणनीति है। गुजरात में गांधी नगर के महात्मा मंदिर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि छह मई की घटनाओं के बाद भारत को आतंकी गतिविधियों का प्रमाण देने की अब आवश्यकता नहीं है।

छह मई के बाद जिनका कत्ल हुआ, उस जनाजे को स्टेट ऑनर दिया गया पाकिस्तान में। उनके कॉफ़ेन्स पर पाकिस्तान के झंडे लगाए गए। उनकी सेना ने उनको सेल्यूट दी। ये सिद्ध करता है कि आतंकवादी गतिविधि ये प्रोक्सीवॉर नहीं है, ये आपकी सोची–समझी युद्ध की रणनीति है। आप वॉर ही कर रहे हैं। उसका जवाब भी वैसे ही मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत किसी से दुश्मनी नहीं चाहता है। भारत शांति से रहना चाहता है। उन्होंने कहा कि देश इस तरीके से प्रगति करने की आकांक्षा रखता है जो विश्व के कल्याण में योगदान दे सके। सरकार करोडों भारतीयों के उत्थान के लिए समर्पण के साथ कार्य कर रही है।

****

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जश्न मनाते हुए पूरा राष्ट्र भारतीय सैनिकों की वीरता को नमन कर रहा है। आकाशवाणी का समाचार सेवा प्रभाग सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि स्वरूप एक विशेष श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है। इसी कडी में आज हम मेजर शैतान सिंह को याद कर रहे हैं। एक रिपोर्ट–

दिसम्बर 1924 में राजस्थान के जोधपुर में जन्मे मेजर शैतान सिंह साल 1949 में सेना की कुमाऊं रेजीमेंट में भर्ती हुए। 1962 में भारत–चीन युद्ध के दौरान मेजर शैतान सिंह ने 13 कुमाऊं रेजिमेंट की सी–कंपनी का नेतृत्व किया और पांच हजार मीटर की ऊंचाई पर स्थित रेजांगला में एक रणनीतिक स्थान पर कब्जा किया। 18 नवंबर की सुबह चीन ने इस स्थान पर बड़ा हमला किया। कुमाऊं रेजीमेंट की सात, आठ और नौ नंबर की पलटन ने बेजोड़ साहस के साथ लड़ाई लड़ी और आखिर तक जमीन पर अपना कब्जा बनाए रखा। मेजर शैतान सिंह ने अपने व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना, वह एक पलटन पोस्ट से, दूसरे पलटन पोस्ट पर अपने सैनिकों के साथ लड़ते रहे। घायल होने के बावजूद उन्हें जब निकाला जा रहा था, तो चीनियों ने उन पर मशीन गन से हमला कर दिया। मेजर शैतान सिंह ने अपने सैनिकों को उन्हें छोड़कर जाने का आदेश दिया। सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह को एक पहाड़ी की ढलान पर एक चट्टान के पीछे रखा, जहां उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली। मेजर शैतान सिंह को उनके सर्वोच्च साहस, नेतृत्व, कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए मरणोपरांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया। सकलेन अख्तर, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज गोरखपुर के हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड के खाद कारखाना परिसर में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में शामिल हुए और बारह सौ जोड़ों को आशीर्वाद दिया। प्रदेश सरकार की ओर से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में प्रत्येक जोड़े को इक्यावन हजार रूपये की जगह एक लाख रूपये दिये जाने की घोषणा के बाद सामूहिक विवाह का यह पहला आयोजन था। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वास्तविक सरकार वही है जो जनता के घर जाकर उनकी समस्याओं का समाधान निकाल सके। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का ही एक अभियान है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान करीब ढाई सौ लोगों की समस्यायें सुनीं और सम्बन्धित अधिकारियों को समय से सभी का निस्तारण करने का निर्देश दिया।

****

पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही गरीब परिवारों के मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन सरल और सुविधाजनक बनाने के लिये प्रदेश सरकार परफार्मेंस ग्रांट पाने वाली पंचायतों में बरात घर का निर्माण करा रही है। इसी क्रम में गोरखपुर मण्डल की तीस पंचायतों में बरात घर का निर्माण प्रस्तावित है। उप निदेशक पंचायती राज हिमांशु शेखर ठाकुर ने बताया कि जिस तरह नगर निगम शहरी क्षेत्र में कल्याण मण्डपम का निर्माण करा रहा है, उसी तरह सम्बन्धित पंचायतों में बरात धर बनाये जाने हैं।

****

मौसम विज्ञान विभाग ने प्रदेश के पूर्वी और पश्चिमी जिलों में दो जून तक कहीं कहीं बारिश और गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है। विभाग के अनुसार पूर्वी उत्तर प्रदेश में अट्ठाइस से इकतीस मई के बीच कहीं कहीं बिजली गिरने और तेज झोंकेदार हवाएं चलने की भी आशंका है।

****